खंड–2–व्यावहारिक व्याकरण

1. वाक्य-भेद– रचना के आधार पर

अभ्यास-कार्य

पृष्ठ संख्या–83

उत्तर–

6. रचना के आधार पर वाक्य के दो भेद होते हैं। इनके वर्गीकरण को निम्नलिखित प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है–

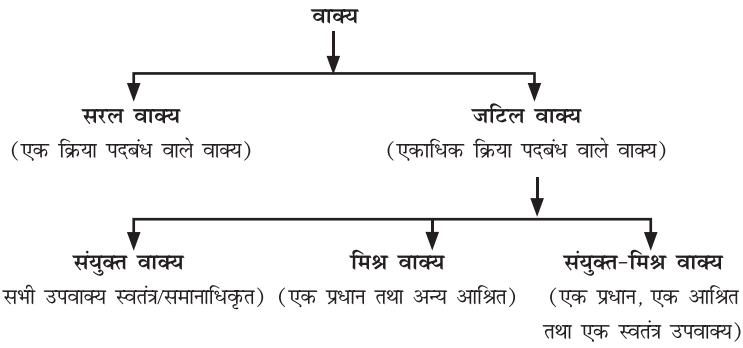

7. अर्थ के आधार पर मिलनेवाले सभी प्रकार के सरल वाक्यों के उदाहरण निम्नलिखित हैं–

1. कथनात्मक या विधानवाचक सरल वाक्य

1. सब लोग घर चले गए।
2. उन लोगों ने अपना काम पूरा कर लिया।

2. प्रश्नवाचक सरल वाक्य

1. आपकी गाड़ी कहाँ है?
2. आप यहाँ से कैसे जाएँगे?

3. आज्ञार्थक सरल वाक्य

1. तू यहाँ से जा।
2. तुम अपना काम करो।

4. निषेधात्मक सरल वाक्य

1. बच्चे घर नहीं पहुँचे हैं।
2. नौकर ने काम नहीं किया है।

5. **संभावनार्थक सरल वाक्य**

   1. हो सकता है वह सही सलामत हो।

   2. शायद ट्रेन आ गई हो।

6. **इच्छार्थक सरल वाक्य**

   1. चलो, अब खाना खाया जाए।

   2. आपकी यात्रा शुभ हो।

7. **विस्मयादिबोधक सरल वाक्य**

   1. वाह! कितनी बढ़िया कॉफ़ी बनाई है।

   2. छि:! बहुत बदबू है।

8. संयुक्त वाक्य के उपभेदों के उदारहण निम्नलिखित हैं–

   1. **संयोजन संयुक्त वाक्य**–इसमें समुच्चयबोधक अव्यय द्वारा उपवाक्यों को जोड़ा जाता है।

      उदाहरण–

      (क) आप चलिए और किसी को भेज दीजिए।

      (ख) वह खुद चलेगी तथा आपको भी ले चलेगी।

   2. **विभाजक संयुक्त वाक्य**–इसमें समुच्चयबोधक अव्यय द्वारा उपवाक्यों को विभाजित किया जाता है।

      उदाहरण–

      (क) बिल ज़मा करो नहीं तो फ़ोन कट जाएगा।

      (ख) पहुँच जाओ वरना मुलाकात नहीं होगी।

   3. **विरोधवाचक संयुक्त वाक्य**–इसमें समुच्चयबोधक अव्यय द्वारा उपवाक्यों के बीच विरोध प्रकट किया जाता है।

      उदाहरण–

      (क) मैं आऊँगा तो सही पर खाना नहीं खाऊँगा।

      (ख) यहाँ बैठो परंतु बात मत करो।

   4. **परिमाणवाची संयुक्त वाक्य**–इसमें समुच्चयबोधक अव्ययों द्वारा दो उपवाक्यों के बीच कार्य तथा परिणाम का संबंध प्रकट किया जाता है।

      उदाहरण–

      (क) कल बारिश आ गई थी इसलिए मैं न आ सका।

      (ख) वह पढ़ना नहीं चाहता था सो बहाना बनाकर चला गया।

9. मिश्र वाक्य में तीन तरह के आश्रित उपवाक्य आ सकते हैं–

1. संज्ञा उपवाक्य–संज्ञा उपवाक्य वाक्य में संज्ञा पद या संज्ञा पदबंध के स्थान पर आ सकते हैं और वही प्रकार्य कर सकते हैं जो प्रकार्य 'संज्ञा पद/संज्ञा पदबंध' के द्वारा किया जाता है; जैसे–

(क) मुझे मालूम था कि वह नहीं आएगा।

(ख) लोग कह रहे थे कि कल बिजली नहीं आएगी।

2. विशेषण उपवाक्य–विशेषण उपवाक्य वे उपवाक्य हैं जो 'संज्ञा पद' की विशेषता वैसे ही बताते हैं जैसे कोई 'विशेषण पद' या 'विशेषण पदबंध' बताता है; जैसे–

(क) मेरी वह कलम खो गई जिसे भाई साहब ने दिया था।

(ख) पिता जी ने वह मकान बेच दिया जो पुराना हो गया था।

3. क्रियाविशेषण उपवाक्य–जो उपवाक्य क्रियाविशेषण पदबंध के स्थान पर प्रयुक्त किए जा सकते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण उपवाक्य कहते हैं; जैसे–

(क) जब हम स्टेशन पहुँचे तब गाड़ी जा चुकी थी।

(ख) कल मैंने इतना खाया जितना कोई नहीं खा सकता।

10. **1. सरल वाक्य तथा जटिल वाक्य में अंतर**–जिन वाक्यों में एक क्रिया पदबंध होता है, उन्हें सरल वाक्य तथा जिन वाक्यों में एक से अधिक क्रिया पदबंध होते हैं, उन्हें जटिल वाक्य कहते हैं।

2. संयुक्त वाक्य तथा मिश्र वाक्य में अंतर–संयुक्त वाक्यों में प्रयुक्त सभी उपवाक्य 'स्वतंत्र उपवाक्य' होते हैं इसीलिए इन्हें 'समानाधिकृत उपवाक्य' भी कहते हैं जबकि मिश्र वाक्यों में एक 'प्रधान उपवाक्य' तथा शेष 'आश्रित उपवाक्य' होते हैं।

11.

1. सरल	2. सरल	3. संयुक्त	4. सरल
5. मिश्र	6. सरल	7. संयुक्त	8. संयुक्त-मिश्र
9. सरल	10. मिश्र	11. संयुक्त	12. संयुक्त
13. संयुक्त-मिश्र	14. सरल	15. मिश्र	16. संयुक्त
17. मिश्र	18. संयुक्त-मिश्र	19. सरल	20. मिश्र
21. संयुक्त	22. मिश्र	23. सरल	24. सरल
25. संयुक्त	26. सरल	27. मिश्र	28. मिश्र
29. सरल	30. संयुक्त	31. सरल	32. संयुक्त
33. सरल	34. मिश्र	35. मिश्र	

12.

वर्ग–क		वर्ग–ख
1.	⟶	(xii)
2.	⟶	(ix)
3.	⟶	(x)
4.	⟶	(i)
5.	⟶	(xi)
6.	⟶	(viii)
7.	⟶	(iv)
8.	⟶	(ii)
9.	⟶	(iii)
10.	⟶	(v)
11.	⟶	(vi)
12.	⟶	(vii)

13. 1. संज्ञा उपवाक्य, 2. विशेषण उपवाक्य, 3. कालवाची क्रियाविशेषण उपवाक्य, 4. विशेषण उपवाक्य, 5. विशेषण उपवाक्य, 6. संज्ञा उपवाक्य, 7. कालवाची क्रियाविशेषण उपवाक्य, 8. संज्ञा उपवाक्य, 9. स्थानवाची क्रियाविशेषण उपवाक्य, 10. कारणवाची क्रियाविशेषण उपवाक्य।

14. 1. सूरज उगता है तो बहुत मनमोहक लगता है।
2. वह गुस्से में था इसलिए मुझसे बात नहीं की।
3. लोग कमरे में बैठे हैं इसलिए अब ऊब चुके हैं।
4. पिता जी ने मुझे ट्रेन में बिठाया और विदा किया।
5. हम लोग रेस्त्राँ में गए और वहाँ कॉफ़ी पी।
6. पिता जी ने समझाया पर वह नहीं मानी।
7. अध्यापक चले गए और सब छात्र खुश हो गए।
8. सूरज ढला और अँधेरा हो गया।
9. वह अमेरिका जाएगी और नौकर करेगी।
10. सुबह होती है और चिड़ियाँ चहचहाने लगती हैं।
11. गाड़ी रुकी और कुली अंदर घुस गए।
12. वह चाय लेगा और बिस्कुट भी।
13. माता जी आईं और चली गईं।
14. वह नौकरी भी करता है और फोटोग्राफी भी।
15. मंत्री जी आए और कार्यक्रम शुरू हो गया।

15. 1. बच्चों ने जो कपड़े खरीदे हैं, वे दीवाली पर पहनने के लिए हैं।
2. जो मेहनत करेगा, उसे ही नौकरी मिलेगी।
3. मैं शादी में इसलिए नहीं जा पाया क्योंकि मेरी तबीयत खराब हो गई थी।
4. वह जैसे ही कार से बाहर निकला, वैसे ही गोली चली।
5. जैसी आपकी इच्छा थी, उसके अनुरूप आपका स्वागत नहीं हुआ।
6. जो फ़्रिज मेरे कमरे में है, वह खराब है।
7. जो लोग साहसी होते हैं, वही हिमालय पर चढ़ पाते हैं।
8. जो समय निकल गया, उस पर अफ़सोस करना बेकार है।
9. जो जानेवाला है, वह कहाँ रुकता है।
10. उसका जो भी समान था, सब चोरी हो गया।
11. इस स्कूल में वही बच्चे पढ़ सकते हैं, जो अमीरों के हैं।
12. जो बच्चे परिश्रमी होते हैं, वे परीक्षा में अवश्य सफल होते हैं।
13. कुछ लोग दूसरों की खुशामद करते हैं, जिससे उनसे निकटता प्राप्त हो जाए।
14. जब मुसीबत आए, तब घबराना नहीं चाहिए।
15. मुझे पता नहीं है कि उसका जन्मस्थान कहाँ है।

16. 1. यदि कमरा बंद नहीं करोगे तो बच्चे आ जाएँगे।
2. जब माँ ने टिफ़िन पैक किया, तब बच्चों को स्कूल भेजा।
3. मैं मंदिर इसलिए गया क्योंकि मुझे दर्शन करने थे।
4. जब टीचर ने समझाया, तब सारे बच्चे मान गए।
5. जैसे ही हम घर से बाहर निकले, वैसे ही बारिश होने लगी।
6. क्योंकि वह बीमार है, इसलिए बहुत दुखी है।
7. मेरा जो भाई लंदन गया है, वह वहाँ खुश नहीं है।
8. जैसे ही प्रिंसीपल आए, सब छात्र चुप हो गए।
9. जो विद्यार्थी मेहनती है, वो अवश्य उत्तीर्ण होगा।
10. जब मोनिका नाचती है, तब उसका पति तबला बजाता है।
11. जैसे ही गार्ड ने लाल झंडी दिखाई, ट्रेन रुक गई।
12. जब उसने शादी की, तब मुसीबतों से घिर गया।
13. जब मैं शाम को होमवर्क करता हूँ, तब मेरा भाई क्रिकेट खेलता है।
14. जैसे ही ग्रीन लाइट हुई, सारी गाड़ियाँ चल पड़ीं।
15. जब बारिश शुरू हुई, तब बच्चे बारिश में नहाने लगे।
16. जो लोग आज सुबह की ट्रेन से आए, वे शाम को चले गए।

17.
1. मेरे हाथ में घड़ी है और वह बहुत पुरानी है।
2. यह काम मुझे नहीं आता इसलिए मैं नहीं कर सकता।
3. लड़की गा रही है और वह मेरी बहन है।
4. वह वहाँ रहता तो है परंतु बीमारी का डर है।
5. वह बहुत धूर्त है और सबको धोखा देता है।
6. पिता जी मंदिर नहीं जाएँगे, क्योंकि ऐसा उन्होंने स्वयं कहा है।
7. मेरे घर में नौकर है और वह बहुत पुराना है।
8. तुमने सामान चुराया है और उसे वापस करना होगा।
9. वे लोग बीमार है इसलिए उन्हें दवा की ज़रूरत है।
10. घड़ी मैं बारह बजे और आवाज़ें आने लगीं।
11. गाड़ी आकर रुकी और सब लोग धक्का-मुक्की करने लगे।
12. काम पूरा हो गया तो मैं सो गया।
13. मैंने उसे समझाया और वह एकदम मान गया।
14. मेरे लिए खिचड़ी बनेगी और आपके लिए खीर बनेगी।
15. मैं उसे जानता नहीं तो उससे शादी कैसे कर सकता हूँ।
16. उसने भाषण शुरू किया और तालियों की गड़गड़ाहट से उसका स्वागत हुआ।

18.
1. नेता जी की बातों से लोगों को गुस्सा आ गया।
2. पिता जी या माता जी जाएँगी।
3. मेरा दोस्त विदेश जाकर खुश नहीं है।
4. दाँत में दर्द होने के कारण मैं बोल नहीं सकता।
5. मेरे घर का नौकर बहुत मक्कार है।
6. छोड़ी हुई नौकरी को मैं दोबारा नहीं करूँगा।
7. पिछले माह खरीदी हुई मेरी साइकिल चोरी हो गई।
8. झूठ बोलनेवाला लड़का पकड़ा गया।

19.
1. चूँकि मुझे ओले देखने थे, इसलिए मैं जल्दी से बाहर निकला।
2. नवाब साहब कुछ देर गाड़ी की खिड़की के बाहर देखते रहे और स्थिति पर गौर करते रहे।
3. जब दोपहर हो गई, तब भी कोई बच्चा खेलने नहीं निकला।
4. रमा शहर गई और बीमार हो गई।
5. स्त्री-पुरुष मिले और आज़ादी के लिए लंबा संघर्ष किया।

6. इन लोगों की छत्र-छाया हटने पर मुझे अपने वजूद का अहसास हुआ।
7. इस नहर को उन लोगों ने बनाया था, जो गुमनाम और अनपढ़ माने जाते थे।
8. उन्हें नमक कर एक सामान्य-सा मुद्दा लगता था।
9. एक मोटरकार आई और उनकी दुकान के सामने रुकी।
10. जब कवि-सम्मलेन का समय हुआ, तब सभी विद्यार्थी पहुँचे और शांति से बैठे रहे।
11. वे मुझे जाननेवाले सभी लोगों से मिले।
12. आषाढ़ की एक सुबह थी और एक मोर ने मल्हार के मियाऊ-मियाऊ को सुर दिया था।
13. **मिश्र-वाक्य–** जीवन की कुछ चीज़े हैं, जिन्हें हम कोशिश करके पा सकते हैं।

    आश्रित उपवाक्य– जिन्हें हम कोशिश करके पा सकते हैं (विशेषण उपवाक्य)
14. मोहनदास और गोकुलदास सामान निकलते थे और बाहर रखते जाते थे।
15. जब हमें स्वयं पड़ा तब पसीने छूट गए।
16. मैं अस्वस्थ होने के कारण परीक्षा नहीं दे सका।
17. लोग परिश्रम करते हैं इसलिए जीवन में सफल होते हैं।
18. मॉरीशस की स्वच्छता देखी, जिससे मन प्रसन्न हो गया।
19. गुरुदेव आराम कुर्सी पर लेटकर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे थे।